## सफलता की कहानी

मै परशुराम पटेल यंत्रदूत ग्राम आमखेरा का रहने वाला हू मैरे पास 6 है0 जमीन है कृषिअभियांत्रिकी द्वारा गर्मी में 1 है0 में गहरी जुताई का प्रदर्शन कार्य किया गया मेरे खेत में कांस बहुत ज्यादा था और खेत में उगरा की समस्या थी प्लाउ कराने से वह समस्या खत्म हो गयी मै पहलें सोयाबीन छिटका पद्वति से बुवाई करता था जिसमें मुझे बीज 1.5 क्वि/है0 लगता था और उपज 10 क्वि / हौ प्राप्त होती थी कृषि अभियांत्रिकी द्वारा किसान संगोष्ठी के माध्यम से रिज फरो पद्वति से बुवाई करने का सुझाव दिया गया मैन रिज फरो पद्वति द्वारा कतार बोनी करायी इसके पहले मै बीज को कल्चर एवं कर्बनडिजम मिलाकर सीड ट्रीटिग ड्रम से बीजोपचार किया इसके बाद मैने रिज फरो पद्वति द्वारा बुवाई करायी जिसमें मुझे अस्सी किलो प्रति है0 बीज लगा ऐसा करने से मुझे बीज एवं खाद दोनो की बचत हुयी ।

इसके बाद फसल की गहाई की गयी मुझे 15 क्वि/है0 उत्पादन प्राप्त हुआ जिसे पाकर में बहुत प्रसन्न हूँ आगे मै रिज फरो पद्वति से कतार बोनी से सोयाबीन की बोनी कराउगा ।

परशुराम पटेल

परशुराम पटेल
ग्रम आमखेरा पो0 बनगांय
जिला छतरपुर म0प्र0

सहायक कृषि यंत्री
कृषि अभियांत्रिकीय विभाग
जिला छतरपुर (म०प्र०)